हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 27 | देहरादून, शुक्रवार, 15 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

इंडियन नेवी ने जारी की 10वीं पास के लिए एम आर अग्निवीरों भर्ती 2

चंपावत शिक्षा का हब बनेगा : पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिला मुख्यालय चंपावत के मुड़ियानी स्थित माँ पूर्णागिरि कॉलेज आफ एजुकेशन के बहुउद्देश्यीय शैक्षिक परिसर के शिलान्यास एवं हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड शिविर के समापन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने बहुउद्देश्यीय शैक्षिक परिसर के शिलान्यास के उपरांत आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि इस शैक्षणिक संस्थान से निश्चित रूप से चंपावत शिक्षा का हब बनेगा। जिससे यहाँ के बच्चों व युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त होगा। यहां के बच्चे चंपावत जिले के साथ राज्य एवं देश का नाम रौशन करेंगे। उन्होंने संस्थान के संचालन को बधाई देते हुए कहा कि यह संस्थान अपने उद्देश्यों में सफल हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के उन्नयन तथा नौनिहालों के भविष्य के लिए किए जा रहे कार्य हमेशा ही समाज में बहुत आगे तक बढ़ते हैं। इससे समाज एक बेहतर दिशा में आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि माँ सरस्वती की कृपा जिनमें होती है वही इस कार्य को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में उत्तराखंड राज्य देश का श्रेष्ठ राज्य बनेगा। चम्पावत जिले में सभी क्षेत्रों में विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, कृषि औद्यानिक आदि क्षेत्रों में पायलट के रूप में कार्य किया जा रहा है जिले को सभी क्षेत्रों में मॉडल जिला बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि चम्पावत जिले के विकास के लिए अनेक विकासपरक योजनाएँ संचालित की जा रही है। उसके अनुरूप कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में शिक्षा के उन्नयन हेतु चम्पावत जिला पुस्तकालय बनाने के साथ ही जिले के 100 स्कूलों का रूपांतरण किया जा रहा है। अन्य लगभग 400 स्कूलों का रूपांतरण सीएसआर मद से किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि चम्पावत के प्रथम जिला पुस्तकालय का निर्माण हेतु प्रथम किश्त की 10 लाख रूपये की धनराशि उनके अपनी विधायक निधि से दी जाएगी। इसके अतिरिक्त जिले के प्रत्येक विकास खण्ड में भी पुस्तकालय का निर्माण किया जाएगा। जिसका लाभ यहां के लोगों को मिलेगा। इससे पूर्व परिसर में पंहुचने पर संस्थान के छात्र छात्राओं व स्काउट गाइड द्वारा उनका स्वागत करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।इस मौके पर अध्यक्ष वन विकास निगम कैलाश चन्द्र गहतोड़ी, अध्यक्ष जिला पंचायत ज्योति राय,भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक पाठक पूर्व दर्जा राज्य मंत्री हयाद सिंह महरा,विद्यालय के चैयरमैन कृष्ण सिंह अधिकारी समेत विभिन्न जनप्रतिनिधि,गणमान्य नागरिक, छात्र छात्रा एवं अन्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने की ध्यान साधना अद्वैत आश्रम का किया निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चंपावत दौरे के दूसरे दिन लोहाघाट स्थित अद्वैत आश्रम मायावती पहुंचे। यहां उन्होंने अद्वैत आश्रम मायावती में ध्यान केंद्र और स्वामी विवेकानंद पर आधारित म्यूजियम का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने आश्रम में ध्यान भी लगाया. साथ ही कहा कि यहां आना सौभाग्य की बात है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि लोहाघाट की गोद में बसा अद्वैत आश्रम एक रमणीक स्थान है. मायावती आश्रम में पुण्य आत्माओं का वास है. यहां आना सौभाग्य की बात है. जिसकी कल्पना स्वामी विवेकानंद ने की थी. आश्रम आज भी भव्य और दिव्य दिखता है. यह शांति और ध्यान का केंद्र है.सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरा कर रहे हैं. आज पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केदारपुरी को भव्य और दिव्य तरीके से संवारा जा रहा है. इसके अलावा बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान का कार्य चल रहा है. जल्द ही बदरीनाथ मंदिर परिसर नए स्वरूप में नजर आएगा.

अद्भुत है अद्वैत आश्रम मायावती का स्थान :

चंपावत से 22 किमी और लोहाघाट से 9 किमी दूरी पर यह आश्रम 1940 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है. अद्वैत आश्रम की स्थापना के बाद इसे प्रसिद्धि मिली. यह आश्रम भारत और विदेश से आध्यात्मिक लोगों को आकर्षित करता है. मायावती का आश्रम पुराने बागान के बीच स्थित है.साल 1898 में स्वामी विवेकानंद ने अल्मोड़ा के अपने तीसरे दौरे के दौरान मद्रास से मायावती में 'प्रबुद्ध भारत' के प्रकाशन कार्यालय को स्थानांतरित करने का फैसला किया था. तब से यह यहां प्रकाशित किया जाता है. मायावती में एक पुस्तकालय और एक छोटा सा संग्रहालय भी है. अब यह आश्रम पर्यटन का केंद्र भी बन रहा है.

हरिद्वार हाईवे पर 20 जुलाई से बंद रहेगा यातायात, पुलिस ने जारी किया नया रूट प्लान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

20 जुलाई से हाईवे पर सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित हो जाएंगे। वहीं 14 से 20 जुलाई तक सुबह पांच बजे से 11 बजे तक भारी वाहन हाईवे पर नहीं चलेंगे। यातायात पुलिस ने कुछ आंशिक परिवर्तन के साथ बृहस्पतिवार को नया प्लान जारी किया है।

दिल्ली से देहरादून-ऋषिकेश जाने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों को प्राथमिक तौर पर रामपुर तिराहे से देवबंद से गागलहेड़ी होते हुए छुटमलपुर बिहारीगढ़ से देहरादून और ऋषिकेश के लिए डायवर्ट किया जाएगा। हरिद्वार सीमा में प्रवेश कर चुके दिल्ली से देहरादून-ऋषिकेश जाने वाले छोटे बड़े वाहनों को कोवली से एनएच 344 से भगवानपुर से मंडावर, छुटमलपुर, बिहारीगढ़ से देहरादून और ऋषिकेश की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

दिल्ली-मेरठ, मुजफ्फरनगर से आने वाले वाहन 17 जुलाई से 20-21 जुलाई की रात तक मुजफ्फरनगर से मंगलौर, नगला इमरती से सर्विस लेन से डायवर्ट कर लंढौरा, लक्सर, सुल्तानपुर, फेरुपुर, जगजीतपुर, एसएम तिराहा से डायवर्जन कर शनि चौक, मातृसदन होते हुए दक्षद्वीप पार्किंग के दाहिने होते हुए शमशान घाट पुल से बैरागी कैंप पार्किंग के लिए डायवर्ट किए जाएंगे।

दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर से आने वाले वाहन 20-21 जुलाई रात्रि तक बिझौली से नगला इमरती से सर्विस लेन से डायवर्ट होकर लंढौरा, लक्सर, सुल्तानपुर, फेरुपुर, जगजीतपुर, एसएम तिराहा से डायवर्जन कर शनि चौक से मातृसदन, दक्षदीप पार्किंग से दाहिने होते हुए शमशान घाट पुल से बैरागी कैंप पार्किंग में डायवर्ट किए जाएंगे।

यमुनानगर सहारनपुर से हरिद्वार आने वाले वाहन एनएच 344 भगवानपुर से सालियर हाईवे, बिझौली, मिलिट्री अस्पताल, ढंढेरा, नगला इमरती, लढ़ौरा, लक्सर, जगजीतपुर से शनि चौक, मातृसदन होते हुए बैरागी कैंप पहुंचेंगे। यदि मंगलौर में या नगला इमरती में यातायात का दबाव होता है तो यातायात को पुरकाजी से डायवर्जन कर खानपुर चेक पोस्ट होते हुए लक्सर, सुल्तानपुर, फेरुपुर, जगजीतपुर होते हुए बैरागी कैंप भेजा जाएगा। 14 जुलाई से 20 जुलाई तक भारी वाहनों का आवागमन सुबह पांच बजे से रात 11 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। वहीं 20 जुलाई से 27 जुलाई तक सभी प्रकार के भारी वाहनों का जनपद में आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

इंडियन नेवी ने जारी की 10वीं पास के लिए एम आर अग्निवीरों भर्ती

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत में मानो नौकरियों की बारिश होने लगी है। अग्निपथ स्कीम के तहत इंडियन नेवी ने भी एम आर अग्निवीरों की भर्ती का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नेवी एमआर के 200 पदों के लिए अविवाहित पुरुष व महिला उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इच्छुक उम्मीदवार joinindian-navy.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। अग्निवीर एमआर के लिए 10वीं पास युवा आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया 15 जुलाई से शुरू होगी। इंडियन नेवी में अग्निपथ स्कीम के तहत अग्निवीर एस एस आर और अग्निवीर एम आर के पदों पर भर्ती की जाएगी। इंडियन नेवी एसएसआर भर्ती 2022 के लिए आवेदन की प्रक्रिया पहले से ही जारी है।

अगर अपने 10वीं पास की है, आपकी उम्र साढ़े 17 साल से 23 वर्ष यानि आपका

जन्म १ दिसंबर 1999 से 31 मई 2005 के बीच हुआ है और लंबाईपुरुष - 157 सेमी ,महिला - 152 सेमी है तो आप इस भर्ती के लिए योग्य है। अब जाने इस भर्ती की चयन करने की प्रक्रिया सबसे पहले अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। इसमें सफल अभ्यर्थियों को पीएफटी यानी फिजिकल फिटनेस टेस्ट के लिए बुलाया जाएगा। पीएफटी पास करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट लिखित परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर बनेगी। क्या है पीएफटी 'पल्मोनरी फंक्शन टेस्टिंग' रोगी के इतिहास, शारीरिक परीक्षण और पल्मोनरी फंक्शन के परीक्षणों सहित श्वसन प्रणाली का पुनर्मूल्यांकन है। फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण का प्राथमिक उद्देश्य फुफ्फुसीय हानि की गंभीरता की पहचान करना है।

इस भर्ती के लिए आपको फिजिकल टेस्ट भी पास करना होगा। जो की पुरुषों को 6.30 मिनट में 1.6 किमी की दौड़ लगानी होगी। 20 उठक बैठक करने होंगे और 12 पुशअप मारने होंगे। महिलाओं को 8 मिनट में 1.6 किमी की दौड़ लगानी होगी। 15 उठक बैठक और 10 बेन्ट नी सिट अप्स करने होंगे।

कैसे आवेदन करे सबसे पहले joinindiannavy.gov.in पर जाएं। उसके बाद अगर आपने पहले रजिस्ट्रेशन नहीं कर रखा है तो पहले रजिस्ट्रेशन करें। रजिस्ट्रेशन के दौरान अपना ईमेल आईडी व मोबाइल नंबर सही डालें क्योंकि उसी में आपको जानकारी प्राप्त होगी। रजिस्टर्ड ईमेल आईडी से लॉग इन करें फिर ₹Current Opportunities₹ के ऑप्शन पर क्लिक करें फिर एप्लाई बटन पर क्लिक करें। एप्लीकेशन फॉर्म भरें और सब्मिट पर क्लिक करें। एप्लीकेशन फॉर्म भरने के दौरान आपको सभी डॉक्यूमेंट अपलोड करने होंगे । इसलिए पहले ही उन्हें स्कैन करके रख लें। फोटो अपलोड करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें वह अच्छी क्वालिटी की हो और उसका बैकग्राउंड ब्लू हो। डॉक्यूमेंट का साइज उस समय फॉर्म में लिखा होगा।

अब नहीं चलेगी कैब वालो की मनमानी, कैब कैंसिल करना पड़ेगा भारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आए दिन हो रहे कैब वालो की मनमानी इतनी बढ़ गए थी जिसका कोई जवाब ही नहीं इनकी शिकायत कैब एग्रीगेटर यानि कैब की कंपनी से करे तो इनका कोई सलूशन नहीं निकलता। कैब कैंसिलेशन की बढ़ती हुए शिकायतों को देखते हुए कैब एग्रीगेटर के खिलाफ अब सरकार ने इनकी मनमानी पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं. केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) ने अब कैब बुकिंग और कैंसिलेशन के संबंध में नए निर्देश जारी किए हैं. अब अगर बिना कोई ठोस कारण के कैब ड्राइवर राइड कैंसिल करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी. साथ ही कैश में किराया लेने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई

है.ध्यान देने योग्य है कि 10 मई, 2022 को कैब एग्रीगेटर्स के साथ हुई बैठक में सरकार ने चेतावनी दी थी कि अगर वे अपने सिस्टम में सुधार नहीं करते हैं और उपभोक्ताओं की बढ़ती शिकायतों का हल नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इसके बाद 20 मई को केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) ने ओला (Ola) और उबर (Uber) को नोटिस जारी किया था. प्राधिकरण ने नोटिस का जवाब देने के लिए ओला और उबर को 15 दिन का समय दिया था.कैब एग्रीगेटर्स और कैब ड्राइवरों की मनमानी पर अब सीसीपीए सख्त हो गया है. उसने अब नए निर्देश जारी कर कहा है कि अगर कोई भी कंपनी या ड्राइवर अनुचित तरीका अपनाता है या ग्राहक के साथ खराब व्यवहार करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. सीसीपीए ने कहा है कि अब कैब ड्राइवर बिना वजह राइड कैंसिल नहीं कर सकता है. इसके अलावा वह उपभोक्ता से पेमेंट मोड भी नहीं पूछ सकता और उसे किराया ऑनलाइन ही लेना होगा. किसी भी हाल में वह उपभोक्ता से कैश नहीं ले सकेगा. एक बार राइड बुक करने और लोकेशन पूछने के बाद ड्राइवर राइड कैंसिल नहीं कर सकता है.उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी शिकायत कैब ड्राइवरों द्वारा बेवजह राइड कैंसिल कर देना है. इसके अलावा तय रकम से ज्यादा किराया वसूलना, किराये को नकदी में मांगना और यात्रा के दौरान गाड़ी में एसी न चलाने की भी शिकायतें उपभोक्ता कर रहे हैं. सीसीपीए ने सख्ती इन बड़ी शिकायत पे भी ध्यान दिया हैऔर इन परेशानिओ को जल्द दूर करने की कोशिश की है

18 वर्ष से ऊपर पात्र लाभार्थियों को अब निःशुल्क लगेगी कोविड प्रीकॉशन डोज़

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश वासियों से प्रीकॉशन डोज लगवाने की अपील की है। आजादी के अमृत महोत्सव के मद्देनज़र भारत सरकार द्वारा कोविड वैक्सीन अमृत महोत्सव का आयोजन 15 जुलाई से आगामी 75 दिनों तक पूरे प्रदेश भर में चलाया जाएगा। इसमे 18 वर्ष से ऊपर पात्र लाभार्थियों को अब निःशुल्क कोविड प्रीकॉशन डोज़ लगेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के विरूद्ध लड़ाई में वैक्सीनेशन ही हमारा सबसे बड़ा हथियार है, सभी प्रदेशवासी जो भी 18 वर्ष से ऊपर है वो सभी कोविड प्रीकॉशन डोज अभियान का हिस्सा बनकर कोविड वैक्सीन अवश्य लगवाएं और अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना महामारी का डटकर मुकाबला किया। उनके नेतृत्व में भारत में कोविड वैक्सीनेशन का महाअभियान चलाया गया, साथ ही मानवता का परिचय देते हुए दुनिया भर में भारत द्वारा वैक्सीन बांटने का कार्य भी किया गया। कोरोना महामारी कम अवश्य हुई है परन्तु अभी खत्म नही हुई है, अभी भी बचाव, जागरूकता, साफ-सफाई एवं वैक्सीनेशन द्वारा ही इससे बचा जा सकता है।

कोविड प्रीकॉशन डोज़ के महाअभियान के विषय में जानकारी देते हुए निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. सरोज नैथानी ने बताया कि 15 जुलाई से प्रदेश के सभी स्वास्थ्य ईकाइयों में 18 वर्ष की आयु से ऊपर उन लोगों को जिनको कोविड की दूसरी डोज़ लगे 6 महिने (26 हफ्ते) पूरे हो चुके हों को निःशुल्क बूस्टर/प्रीकॉशन डोज़ लगवाई जाएगी। डॉ. नैथानी ने बताया की बूस्टर/प्रीकॉशन डोज़ निजी चिकत्सालयों में 386 रुपये प्रति डोज़ की लग रही थी वह अब सभी सरकारी स्वास्थ्य ईकायों में निशुल्क लगाया जाएगा। जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से तैयार है और सभी जनपदों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

अपनी विधान सभा में घूमे सीएम धामी, जनता से मिले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चंपावत के धौंन, स्वाला, अमोड़ी, सूखिढांग आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर क्षेत्रीय जनता से रूबरू हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी के प्यार और आशीर्वाद से ही उनको पूरे प्रदेश की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ हैं। वे हमेशा आम जनता के बीच रह कर यहां कि सेवा करते रहेंगे।

इस दौरान उन्होंने यहां लोगों की समस्याएं भी सुनी साथ ही समस्याओं के तत्काल समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं की समय-समय पर नियमित रूप से सुनवाई की जाए। इस दौरान अध्यक्ष वन विकास निगम कैलाश चंद्र गहतोड़ी, भाजपा जिला अध्यक्ष दीप चंद्र पाठक, जिलाधिकारी नरेंद्र सिंह भंडारी, पुलिस अधीक्षक देवेंद्र सिंह पींचा, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत समेत अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि व क्षेत्र की जनता मौजूद रहे।

उत्तराखंड में वाहनों के किराया बढ़ोतरी पर एक-दो दिन में होगा फैसला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में निजी बस, रोडवेज बस, ट्रक, ऑटो, विक्रम, सिटी बस, ई-रिक्शा, एंबुलेंस जैसे वाहनों के किराए में बढ़ोतरी पर एक-दो दिन में फैसला होगा। बुधवार को राज्य परिवहन प्राधिकरण (एसटीए) की बैठक में बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा गया था।

परिवहन मुख्यालय में हुई एसटीए बैठक चारधाम यात्रा मार्गों सहित सभी स्थानों पर यात्री एवं माल वाहनों के किराए में 15 प्रतिशत तक बढ़ोतरी पर सहमति बनी थी। बैठक में सिटी बस यूनियन ने मांग की थी कि इलेक्ट्रिक बसों का किराया बढ़ाया जाए ताकि लोग सिटी बसों का भी चयन कर सकें। साथ ही यह भी तय किया गया था कि हर छह माह में किराए की समीक्षा की जाएगी। वहीं, रोडवेज बसों के लिए भी तय किया गया था कि निर्धारित के मुकाबले 20 प्रतिशत तक अधिक किराया वसूल सकते हैं।

सामान्य एंबुलेंस का किराया 15 किलोमीटर तक 800 रुपये, आक्सीजन युक्त सामान्य एंबुलेंस का 1200 रुपये और आईसीयू कार्डियक एंबुलेंस का किराया तीन हजार रुपये प्रस्तावित किया गया है। पूरे विक्रम का किराया पहले दो किलोमीटर तक 50 से बढ़ाकर 60 रुपये और इसके बाद प्रति किलोमीअर 15 से बढ़ाकर 18 रुपये करने का प्रस्ताव भी आया हुआ है।

सभी तरह के वाहनों के किराए पर निर्णय बृहस्पतिवार को नहीं हो पाया। अब एक-दो दिन में किराए की दरें जारी की जाएंगी। उधर, बैठक के तुरंत बाद सरकार ने रणबीर सिंह को परिवहन आयुक्त के पद से हटा दिया था। उनकी जगह परिवहन सचिव अरविंद सिंह ह्यांकी को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बैठक बुधवार को हुई लेकिन अभी मिनट्स तैयार नहीं हो पाए हैं। फाइल आने के बाद मुख्यमंत्री के अनुमोदन को जाएगी। इसके बाद एक-दो दिन में किराए की नई दरें जारी कर दी जाएंगी।

उत्तराखंड में अभी भी छाई है काली घटा इन जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में मौसम ने पहले से अपने दर्शन दे रखे है और अब सावन का महीना लग गया है इस महीने बारिश अपने चरम में होती है। मौसम विभाग ने बागेश्वर व पिथौरागढ़ जिले के लिए गुरुवार को कहीं कहीं भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में मानसून की बारिश से राहत मिलती नहीं दिख रही है. बारिश की वजह से सूबे में नदी नाले उफान पर हैं. साथ ही मलबा और बोल्डर गिरने से सड़कें भी बाधित हो रही हैं. मौसम विभाग की मानें तो आज भी प्रदेश में भारी बारिश हो सकती है. ऐसे में लोगों को विशेष सावधानी बरतनी होगी.रात के समय कदापि यात्रा न करें। किसानों को अतिरिक्त पानी निकासी की उचित व्यवस्था करने व फसलों को सुरक्षित स्थान पर रखने की सलाह दी गई है। राज्य में 15, 16 व 17 को टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चम्पावत जिले के अधिकांश स्थान व शेष जिलों में कहीं कहीं हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान लगाया गया है।भारी बारिश के मद्देनजर मौसम विभाग ने चेतावनी के तौर पर येलो अलर्ट जारी किया है. 17 जुलाई के बाद बारिश में तेजी आने की संभावना है।वहीं, संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन और चट्टान गिरने से कहीं-कहीं सड़कें व राजमार्ग बंद हो सकते हैं. ऐसे में आवाजाही करना भी जोखिम भरा हो सकता है. लिहाजा, विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है. बारिश की वजह से पहाड़ी क्षेत्रों में कहीं-कहीं नाले और नदियों का जलस्तर बढ़ सकता है. ऐसे में लोगों को नदी-नालों के आसपास बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है।

अपनी सुरक्षा अपने हाथ ही है, बरसात के दौरान बरतें ये सावधानियां-

मौसम विभाग या किसी भी अख़बार या न्यूज़ चैनल से मौसम पूर्वानुमान पर नजर रखें, इस समय मौसम की जानकारी लेना बहुत ही जरुरी है, बरसात के समय नदी-नालों में उनकी मात्रा से अधिक पानी भर जाता है इसलिए जितना उनसे दूर रहे उतना आपके लिए अच्छा है, इन मौसम नदियों का जल काफी अधिक होता है और किसी समय भी उसका पानी ज्यादा हो सकता है इसलिए नदियों में नहाने से परहेज करें, बरसात के दौरान सड़कों पर सावधानीपूर्वक आवाजाही करें, तेज बारिश या कोहरे में वाहनों की लाइटें ऑन रखें, संवेदनशील पहाड़ी ढलानों पर जाने से बचें, जलभराव की स्थिति में तालाब और पोखरों आदि से दूर रहें, मॉनसून के दौरान भूस्खलन क्षेत्र से दूर रहें, बिजली चमकने के दौरान पेड़ों से दूर रहें, नदी का जलस्तर बढ़ने पर सुरक्षित स्थान पर चले जाएं, यदि आपके घर गदेरे या नदी के पास हैं तो विशेष सतर्कता बरतें, आपातकालीन नंबर को हमेशा अपने पास रखें, अपने घर पर एक आपातकालीन किट तैयार रखें, किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सूचना कंट्रोल रूम को दें.

उत्तराखंड के ऋषिकेश AIIMS में हो रही है नौकरियों की बारिश, पूर्व सैनिकों के लिए निकली भर्तियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पूर्व फौजियों के लिए नौकरी का एक अच्छा मौका ऐम्स ऋषिकेश में पूर्व सैनिकों के लिए बंपर भर्ती आई है। रिटायर्ड के बाद नौकरी की तलाश कर रहे पूर्व सैनिकों के लिए ये है काम की खबर। उपनल में ऋषिकेश एम्स के लिए 500 सुरक्षा कर्मी और सुपरवाइजरों की भर्ती आयी है। उपनल में जाकर इसके लिए सेवानिवृत्त सैनिक आवेदन कर सकते हैं। 25 जुलाई आवेदन की अंतिम तिथि है। इसके बाद आवेदन नहीं लिए जाएंगे।

कैसे पाए ये नौकरी, इस भर्ती के लिए 25 जुलाई तक आवेदन खुले रहेंगे 500 विभिन्न पदों में 50 महिला सुरक्षा गार्ड का चयन का एम्स को दिया जाएगा। डीजीएम कर्नल मनोज रावत (सेनि) ने बताया कि, पूर्व सैनिकों से आवेदन मांग लिए गए हैं। चयन के लिए पहले आओ-पहले आओ की नीति लागू की जाएगी। इसके बाद अगस्त तक नियुक्तियां हो जाएंगी। डीजीएम कर्नल मनोज रावत (सेनि) ने

जानकारी देते हुए बताया कि शस्त्र सुरक्षा गार्ड के कुल 15 पद हैं। सामान्य सुरक्षा गार्ड 455 हैं। इनमें 50 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। वहीं सुपरवाइजर के 30 पदों पर भर्ती होंगी। इनमें से 10 पद महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे। इन कार्मिकों को सुरक्षा के लिए तीन पालियों में चौबीस घंटे तैनात किया जाएगा। दरअसल एम्स में सुरक्षा सेवाएं देने के लिए उपनल को डीजीआर आधारित कॉन्ट्रैक्ट मिला है।

अनुबंधित ढाबों की लूट का निकल गया समाधान - MD रोहित मीणा खुद ढाबों का निरीक्षण करेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हाईवे के ढाबों में हो रहे लूट को ध्यान में रखते हुए, उत्तराखंड सरकार ने इसका तोड़ निकाल दिया है। अब निगम के अनुबंधित ढाबों पर ढाबा संचालक यात्रियों से मनमाने दाम नहीं वसूल पाएंगे। बता दें कि परिवहन विभाग के अनुबंधित ढाबों को लेकर आए दिन शिकायतें मिलती रही हैं। शिकायत कुछ इस प्रकार थी कि अनुबंधित ढाबों में मनमाने रेट वसूल कर यात्रियों को लूटा जाता है। हाल ही में उत्तराखंड परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक रोहित मीणा ने कहा रोडवेज ने ऐसा प्लान तैयार किया है कि जिससे यात्रियों को सीट पर बैठे-बैठे ही खाने की सामग्री उपलब्ध हो जाएगी। इसको लेकर अक्सर यात्रियों और ढाबा संचालकों का विवाद भी हो जाता है। अब इस तरह के मामलों में उत्तराखंड परिवहन निगम ने कुछ सख्ती दिखाई है। उत्तराखंड परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक रोहित मीणा ने कहा कि ढाबा संचालकों की मनमानी नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि हमारे पास लगातार शिकायतें आती हैं कि अनुबंधित ढाबों पर ओवररेटिंग की जाती है। इस पर लगाम लिया जाएगा।

उत्तराखंड परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक रोहित मीणा ने कहा की नए प्लान के तहत बस की सभी सीटों पर एक होलोग्राम लगा होगा, उसके जरिए यात्री सीट पर बैठे हुए ही ऑर्डर कर सकता है, यात्री को अपना पसंदीदा भोजन सीट पर ही मिल जाएगा, और वो भी प्रिंट रेट पर। इससे यात्रियों का समय बचेगा, साथ ही ओवररेटिंग भी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि ढाबों का लंबे समय से टेंडर नहीं हो पाया था। उस टेंडर को अब खोल दिया गया है। वर्तमान में हमारी दो टीमें हल्द्वानी रूट और दिल्ली रूट पर चेकिंग कर रही है। इसके साथ ही नए ढाबों का विश्लेषण भी किया जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट जल्द मिल जाएगी। रिपोर्ट आने के बाद प्रबंध निदेशक रोहित मीणा खुद ढाबों का निरीक्षण करेंगे और वहां जो कमियां मिलेंगी उनको दूर किया जाएगा।

महाराणा प्रताप स्पोर्टस कॉलेज के 6 छात्र खिलाडियों ने जीता पदक

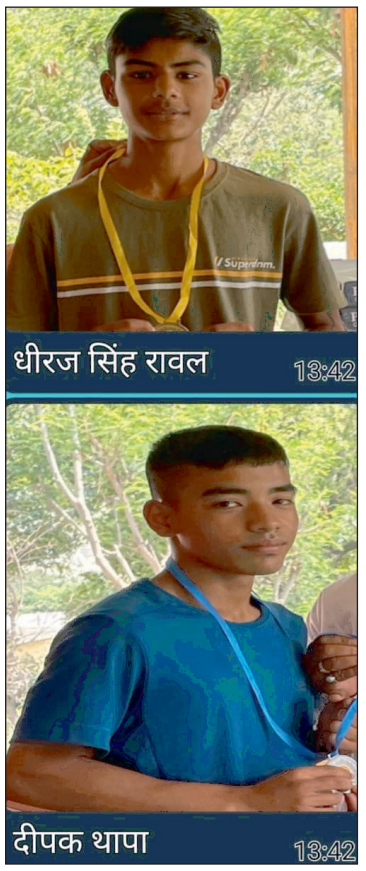

प्रधानाचार्य महाराणा प्रताप स्पोर्टस कॉलेज रायपुर राजेश मंमगाई ने बताया कि राज्य स्तरीय जूनियर बालक एवं बालिका बाक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन 8 जुलाई से 11 जुलाई 2022 तक बेतालघाट (नैनीताल) में किया गया। जिसमें महाराणा प्रताप स्पोर्टस कॉलेज के 6 छात्र खिलाडियों द्वारा उमेश गढ़िया कक्षा 12, करण कुमार कक्षा 11 द्वारा स्वर्ण पदक तथा धीरज रावत व दीपक थापा कक्षा 10 द्वारा रजत पदक जीता गया। प्रधानाचार्य महाराणा प्रताप स्पोर्टस कॉलेज राजेश मंमगाई व बाक्सिंग प्रशिक्षक कुमारी शिखा चन्द एवं स्पोर्टस कॉलेज परिवार द्वारा छात्र खिलाडियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु बधाई एवं शुभकामनांए दी।

बस में बैठकर शिविर पहुंचे डीएम, जमीन पर बैठकर बच्चों के साथ किया भोजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित अधिकारियों के साथ एक बस में सवार होकर बहुद्देश्यीय शिविर में शामिल हुए। जिलाधिकारी की इस अभिनव पहल से जहां समय और सरकारी धन की बचत हुई वहीं, शिविर में विभागी अधिकारी भी साथ-साथ पहुंचे। उन्हें ऐसे देख लोग भी हैरान रह गए। वहीं, उन्होंने निरीक्षण के बाद स्कूल में बच्चों के साथ मध्याह्न भोजन भी किया। शिविर में 34 शिकायतें दर्ज हुई, जो मौके पर ही हल की गई।

गुरुवार को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सरकारी खर्चे को कम करने और विभागीय अधिकारियों के आपसी तालमेल को बढ़ावा देने के लिए जनपद में नई परंपरा शुरू की है। जिलाधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बस में सवार होकर मनसूना में आयोजित बहुद्देश्यीय शिविर में शामिल हुए। सुबह 9 बजे कलक्ट्रेट से बस में सबसे पहले डीएम मयूर दीक्षित, सीडीओ नरेश कुमार, डीडीओ मनविंदर कौर सवार हुईं।

इसके बाद बाजार में मुख्य शिक्षाधिकारी यशवंत सिंह चौधरी सहित कृषि, उद्यान, जलसंस्थान, जलनिगम, लोनिवि, पीएमजीएसवाई सहित अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी बस में सवार हुए। 30 सीट वाली बस में जिलाधिकारी सहित 28 जिला स्तरीय अधिकारी सवार थे।

जिलाधिकारी ने बताया कि सरकार, जनता के द्वार कार्यक्रम तभी सार्थक होगा, जब सभी अधिकारी एक साथ जनता के बीच पहुंचे। अपने-अपने विभागीय वाहनों के बजाय एक वाहन में सवार होकर जब तहसील दिवस, बीडीसी, जनता दरबार, बहुद्देश्यीय शिविर में पहुंचेंगे, तो उससे जहां सरकारी खर्चा कम होगा वहीं बेहतर तालमेल के साथ अधिकारी भी कार्यक्रमों में पहुंचेंगे।

यात्री की सुविधा के लिए रेलवे ने निकाला ये नया नियम, जानिए रेलवे के इस नियम के बारे में

संजय की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दूरी यात्रा के लिए विमान के बाद सबसे बेस्ट और पॉकेट फ्रेंडली ट्रांसपोर्ट है तो वो है रेलवे। रेलवे यात्रियों के लिए आए दिन एक न एक नए नियम निकलता रहता है। इस बार जो नियम निकाला है यात्रियों के लिए काफी काम दायक और टेंशन फ्री करने वाला नियम है। अगर आप भी अक्सर ट्रेन से सफर करते हैं तो यह खबर आपके काम की है. रेलवे में तरी कर रहे यात्रियों को कई बार ऐसी स्थतिका सामना जरूर करना पड़ता है कआपको मूल स्टेशन की बजाय कसिी दूसरे स्टेशन से ट्रेन पकड़नी पड़ती है. कभी कभी ट्रैन छूट जाती है तो हमे उस ट्रैन को दूसरे स्टेशन से पकड़नी पड़ती है और यानी कई बार ऐसे स्थिति उत्पन्न हो जाती है जिससे आप अपने मूल स्टेऑन से ट्रैन नहीं पकड़ पाते है। ऐसे में आपको डर बना रहता है कि कहीं टीटी आपकी टिकट कैंसल न कर दें। इसी परेशानी को देखकर रेलवे ने ये नया नियम निकाला है।

अगर अब आपको ट्रैन मूल स्टेशन की बजाय किसी दूसरे स्टेशन से ट्रेन पकड़नी हो तो इस स्थतिमें आप बोर्डिंग स्टेशन में बदलाव करके टिकट कैंसिलेशन के साथ ही किसी भी प्रकार की पेनाल्टी से बच सकते हैं. कई बार अचानक बोर्डिंग स्टेशन बदलने की जरूरत पड़ जाती है. जो यात्री अपने बोर्डिंग स्टेशन में बदलाव करना चाहते हैं उन्हें ट्रेन छूटने के 24 घंटे पहले ऑनलाइन बदलाव करना होगा. बोर्डिंग स्टेशन यात्री की पहुंच से दूर होने पर ट्रेन छूटने का डर रहता है. ऐसे में यात्री नजदीक वाले स्टेशन से अपना बोर्डिंग स्टेशन रिवाइज कर सकता है.

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए IRCTC की तरफ से बोर्डिंग स्टेशन बदलने की सुविधा दी जाती है. IRCTC की यह सुविधा उन यात्रियों के लिए होती है जिन्होंने टिकट ऑनलाइन बुक की है. ट्रैवल एजेंट या पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम के जरिये टिकट कराने वालों पर यह सुविधा काम नहीं करेगी और हाँ ये बात जरूर ध्यान में रखना IRCTC की वेबसाइट के अनुसार यात्री अगर एक बार अपना बोर्डिंग स्टेशन बदल देता है तो वह ओरिजिनल बोर्डिंग स्टेशन से ट्रेन नहीं पकड़ सकता है। यदि यात्री बोर्डिंग स्टेशन में बदलाव किए बिना दूसरे स्टेशन से ट्रेन पकड़ता है तो पेनल्टी के साथ बोर्डिंग प्वाइंट और रिवाइज्ड बोर्डिंग प्वाइंट के बीच का किराया भी देना होगा. नियमानुसार बोर्डिंग स्टेशन में बदलाव केवल एक बार किया जा सकता है, इसलिए बदलाव करने से पहले पूरी तरह आश्वस्त रहे. कैसे के बोर्डिंग स्टेशन चेंज। पहले आप IRCTC की आधिकारिक वेबसाइट www.irctc.co.in/nget/train-search पर जाएं, फिर लॉग-इन और पासवर्ड दर्ज करके 'बुकिंग टिकट इतिहास' में जाएं, इसके बाद अपनी ट्रेन को सेलेक्ट करिए और 'बोर्डिंग प्वाइंट बदलें' पर जाएं इसके बाद आपके सामने नया वेब पेज खुल जाएगा जिस पर ड्रॉप डाउन में संबंधति ट्रेन के लिए नया बोर्डिंग स्टेशन चुनें स्टेशन चुनने के बाद सिस्टम कंफर्मेशन मांगेगा, 'ओके' पर क्लिक कर दें ओके क्लिक करने के तुरंत बाद बोर्डिंग स्टेशन बदलने का SMS आपके मोबाइल पर आएगा.

6 दिन फॉलो करें ये डाइट, 3-4 किलो कम हो जाएगा वजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज कल दुनिया में अलग ही किस्म का बुखार चल रहा है। किसी लोगों को अपना वजन कम करना है, किसी को वजन बढ़ाना है और किसी को अपनी बॉडी मेन्टेन करनी है। वैसे ये वजन है ही अलग चीज़ जिसकी ज्यादा हो उसके लिए भी ख़राब जिसकी कम हो उसके लिए भी ख़राब। आज हम बात करने जा रहे है, वेट लॉस के बारे में आज हम आपके लिए डाइट प्लान बताते हैं, जिसे फॉलो कर आप एक हफ्ते में 3 से 4 किलो वजन कम कर सकते हैं.

पहले दिन का डाइट प्लान : पहले दिन आप नाश्ते में 2 बॉयल एग और आधा कटोरी ओट्स खाएं. लंच में 1 कटोरी सोया चंक पुलाव, 1 खीरे का रायता और सलाद लें. वहीं डिनर में 2 टोस्ट के साथ 1 बाउल टोमैटो सूप लें.

दूसरे दिन का डाइट प्लान : दूसरे दिन नाश्ते में 2 ज्वार चीला और आधा कटोरी दही खाएं. लंच में 1 कटोरी दाल, 1 कटोरी मिक्स सब्जी, 1 रोटी और सलाद लें. वहीं, डिनर में 2 ब्रेड का पनीर भुर्जी सैंडविच खा

तीसरे दिन का डाइट प्लान : तीसरे दिन नाश्ते में बनाना-पीनट बटर स्मूदी लें. इसके बाद लंच में 1 कटोरी घीया की सब्जी, 1 कटोरी दही, 1 उबला आंडा, 1 रोटी और सलाद खाएं. वहीं, डिनर में 1 कटोरी सब्जी वाला क्विनोआ खाएं. क्विनोआ एक ग्लूटेन फ्री फूड है और काफी हेल्दी होता है.

चौथे दिन का डाइट प्लान : डाइट के चौथे दिन ब्रेकफास्ट में 2 अंडे का आमलेट और 2 टोस्ट खाएं. लंच में 2 प्लेन डोसा और 1 कटोरी सांबर लें. वहीं, डिनर में 1 कटोरी भुनी हुई सब्जियां और पनीर खाएं.

पांचवें दिन का डाइट प्लान : पांचवें दिन के नाश्ते में मिंट चटनी के साथ 2 बेसन का चीला खाएं. इसके बाद लंच में 1 कटोरी राजमा, 1 कटोरी चावल और सलाद लें. डिनर में 1 कटोरी स्प्राउट्स और खीरा-टमाटर व प्याज का सलाद खाएं.

छठे दिन का डाइट प्लान : छठे दिन नाश्ते में 1 कटोरी मिक्स वेज पोहा खाएं. इसके बाद लंच में 1 कटोरी दाल, 1 कटोरी सब्जी, 1 रोटी और सलाद खाएं. डिनर में 1 बाउल सब्जियों को साथ भुना सोया चंक लें.

सीएम के भरोसे को साक्षात रूप दे रहे है डीएम युगल किशोर पंत, तराई निगम को अचानक खंगाल दिया,एमडी का चार्ज भी पंत के पास है

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खटीमा। जिलाधिकारी एंव उत्तराखंड बीज एंव तराई विकास निगम के प्रबंध निदेशक युगल किशोर पंत ने गुरुवार को टीडीसी के गौदाम का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान परिसर की दीवार क्षतिग्रस्त पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दीवार मरम्मत कार्य तुरन्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में कुछ स्थानों पर सफाई व्यवस्था दुरुस्त न होने पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए सफाई व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान गौदाम में प्रकाश व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीज की क्वालिटी, गौदाम में संचालित व क्रियान्वित प्रक्रियाओं व कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने तहसील कार्यालय पहुँचकर विभिन्न पटलों का निरीक्षण किया और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तहसील कार्यों की समीक्षा के दौरान वसूली कार्य मे तेजी लाकर वसूली बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलदार न्यायालय में लंबित वादों की विस्तार से जानकारी लेते हुए वादो के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार शुभांगिनी, कानूनगो नरेंद्र गहतोड़ी सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

सफल रहा सीएम धामी का दिल्ली दौरा, नमामि गंगे परियोजना के लिए उत्तराखंड को मिले ₹25 करोड़

महविश की रिपोर्ट

उत्तराखंड में चल रहे योजनाओ ने जैसे अलग ही रफ़्तार पकड़ ली है हाल ही में नमामि गंगे/नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (National Mission for Clean Ganga- NMCG) के राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन परियोजना के पहले चरण जो कि दिसंबर 2021 तक मिली थी उसको इस बार भी मंजूरी दे दी गए है। सीएम धामी ने दिल्ली दौरे के दौरान पीएम मोदी, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत समेत कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की थी. मंत्रियों से मुलाकात में सीएम धामी ने उत्तराखंड के विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की थी. वहीं, केंद्र ने भी तमाम योजनाओं को लेकर उत्तराखंड में काम करने की बात कही थी जिसमे से नमामि गंगे परियोजना भी एक बड़ा विषय था।

नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा नदी जल प्रदूषण को नियंत्रित करने और गंगा तट पर सार्वजनिक सुविधाओं के विकास के लिए उत्तराखंड को 25 करोड़ रुपए की तीन परियोजनाओं को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय की 43वीं कार्यकारी समिति की बैठक में मंजूरी दे दी गई. इस खुशी में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को धन्यवाद दिया है. यह तो अभी शुरुआत है ऐसे कई केंद्रीय योजनाएं कुछ महीनों में उत्तराखंड में देखने को मिलेगी.

सद्भाव पूर्ण व नशामुक्त मुक्त हो कांवड़ यात्रा : सतपाल महाराज

जिला योजना 2022-23 के लिए 4942.00 लाख रूपये की धनराशि अनुमोदित

विशेष रिपोर्ट : आशीष तिवारी

जिला योजना संरचना की बैठक में महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुये हैं, जितने सुझाव प्राप्त हुये हैं, उन्हें अमलीजामा पहनाया जायेगा,जिसके लिये आप सभी का अमूल्य सहयोग चाहिये।उक्त बात प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और हरिद्वार जिले के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला योजना संरचना 2022-23 की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

बैठक में अनुमोदन हेतु प्रस्तावित जिला योजना संरचना वर्ष 2022-23 के सम्बन्ध में विस्तृत विचार-विमर्श हुआ, जिसमें सामान्य मद हेतु 3888.00 लाख रूपये, अनुसूचित जाति हेतु 1030.00 लाख रूपये एवं अनुसूचित जनजाति हेतु 24.00 लाख रूपये प्रस्तावित करते हुये कुल 4942.00 लाख रूपये की धनराशि अनुमोदित की गयी। बैठक में हरिद्वार सांसद डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक, राज्य सभा सदस्य नरेश बंसल, डॉ0 कल्पना सैनी, रूड़की विधायक प्रदीप बत्रा, लक्सर विधायक मोहम्मद शहजाद, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत, मंगलौर विधायक शरबत करीम अंसारी, ज्वालापुर विधायक रवि बहादुर, भगवानपुर विधायक ममता राकेश, झबरेड़ा विधायक वीरेन्द्र जाती, पिरान कलियर विधायक फुरकान अहमद, खानपुर विधायक उमेश कुमार ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों/विधान सभा क्षेत्रों में विभिन्न विभागों द्वारा कराये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में चर्चा करते हुये विस्तृत विचार-विमर्श किया।

अधिकांश सभी विधायकों ने पेयजल की समस्या की ओर जनपद प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज का ध्यान आकृष्ट करते हुये बताया कि जब से जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर नल से जल पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है, तब से हैण्डपम्पों की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय ने बताया कि हैण्डपम्पों के लिये 70 लाख रूपये की धनराशि की व्यवस्था बजट में की गयी है, जिस पर टिप्पणी करते विधायकों

ने कहा कि यह धनराशि काफी कम है। जनपद प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने सभी पक्षों को सुनने के पश्चात बताया कि हैण्डपम्पों के लिये धनराशि को बढ़ाया जायेगा।विधायकों ने अपने अपने क्षेत्रों में मुख्य सड़कों पर प्रकाश की व्यवस्था करने, शौचालयों का निर्माण, घरों की छतों के ऊपर से बिजली के तारों को हटाये जाने, पानी के ओवर हैड टैंक ठीक कराया जाने, नहर की मरम्मत,सोलर लाइट लगाये जाने, बाल वाटिका में पंखे लगाये जाने, नियमित बिजली उपलब्ध कराने तथा रसायनयुक्त पानी आने का मामला बैठक में रखा। प्रभारी मंत्री ने रसानयुक्त पानी की जांच कराने तथा आवश्यकतानुसार बिजली उपलब्ध कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये।विधायकों ने गंगा नदी व सोनाली नदी के तटबन्ध एवं चिकित्सा केन्द्र के उच्चीकरण का मामला जिला योजना की बैठक में रखा। तटबन्ध पर कराये गये कार्यों की जांच कराने को भी कहा गया। इस पर जनपद प्रभारी मंत्री ने परीक्षण कराने की बात कही। जिला योजना संरचना की बैठक में सदस्यगणों ने भी अपने-अपने पक्ष रखे। जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सदस्यों द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावों को संसाधनों के अनुसार स्वीकृत किया गया है। जनपद प्रभारी मंत्री महाराज ने कहा कि वित्तीय संसाधन सीमित हैं, उसी के अनुसार हमें कार्य करना है।

कैबिनेट मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने जिला योजना संरचना की बैठक को सम्बोधित करते हुये कहा कि इसमें महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुये हैं, जितने सुझाव प्राप्त हुये हैं, उन्हें अमलीजामा पहनाया जायेगा, जिसके लिये आप सभी का अमूल्य सहयोग चाहिये। बिजली की रोस्टिंग का जिक्र करते हुये उन्होंने कहा कि बिजली की कटौती कम से कम हो इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री से आग्रह किया जायेगा। कांवड मेले का उल्लेख करते हुये प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि इस बार चार करोड़ से अधिक श्रद्धालु कांवड़ियों के आने की संभावनायें हैं, जिसके सकुशल सम्पादन के लिये भी आप सभी का सहयोग बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारा पूरा प्रयास होना चाहिये कि कांवड़ मेला पूरी तरह से नशामुक्त हो तथा चारों तरफ प्रेम व सद्भाव का वातावरण हो। हरिद्वार के चहुंमुखी विकास के विषय में उन्होंने कहा कि इसके हम कटिबद्ध हैं तथा मुख्यमंत्री द्वारा हरिद्वार के लिये जो भी घोषणायें की गयी हैं, उनकी जल्दी ही समीक्षा करके, उन्हें शीघ्र ही धरातल पर उतारा जायेगा। बैठक में जिलाध्यक्ष भाजपा डॉ0 जयपाल सिंह चौहान, निवर्तमान मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 सौरभ गहरवार, परियोजना निदेशक विक्रम सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 कुमार खगेन्द्र, डीएसटीओ सुश्री नलिनी ध्यानी, अपर जिला संख्याधिकारी लखमीचन्द, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, मुख्य उद्यान अधिकारी नरेन्द्र यादव, मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी, मुख्य पशुपालन अधिकारी डॉ0 योगेश भारद्वाज, ए0आर0 कोआपरेटिव राजीव, सहायक परियोजना निदेशक नवनीत घिल्डियाल, भाजपा जिला अध्यक्ष जयपाल, मीडिया प्रभारी लव शर्मा, जिला पर्यटन अधिकारी, जिला क्रीड़ाधिकारी, अभिषेक सिंह चौहान सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य

इलाज के लिए ग्रामीण इलाके के किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र पर जायें, तो यह संभावना अधिक है कि डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी वहां मौजूद ही न हों. दो तिहाई से अधिक भारतीय ग्रामीण इलाकों में रहते हैं. लेकिन, स्वास्थ्य सेवाओं की तुलना अगर शहरी इलाकों से करें, तो वहां बेशुमार खामियां नजर आयेंगी. हालांकि, अनेक शहरी इलाकों में भी सार्वजनिक स्वास्थ्य की स्थिति संतोषजनक नहीं है. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि 2005 के बाद स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की बजाय गिरावट ही आ रही है. साल 2005 में 17.49 फीसदी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और उपकेंद्रों (एससी) में डॉक्टरों की तैनाती नहीं थी, 2021 में यह अनुपात 21.83 प्रतिशत तक पहुंच गया. जहां 17 साल पहले लगभग आधे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से वंचित थे, वहीं 2021 में यह रिक्ति 67.96 प्रतिशत हो गयी. महिला स्वास्थ्यकर्मियों या सहायक नर्सिंग मिडवाइव्स (एएनएम) से रहित पीएचसी और उपकेंद्रों की संख्या 2005 में 4.75 प्रतिशत थी, जो 2021 में 27.16 प्रतिशत हो गयी. इस बीच देश ने भयावह कोविड-19 महामारी का भी सामना किया. आश्चर्यजनक है कि सिक्किम के सभी और मध्य प्रदेश के 95 फीसदी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्पेशलिस्ट डॉक्टर नहीं हैं. वहीं छत्तीसगढ़ के 43.2 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल के 37.7 प्रतिशत पीएचसी डॉक्टरों से महरूम हैं. बिहार में 72.12 प्रतिशत उपकेंद्रों पर कोई महिला स्वास्थ्यकर्मी नहीं है. स्वास्थ्य देखभाल तंत्र अरसे से संसाधानों की कमी से जूझ रहा है. पर्याप्त स्वास्थ्य संसाधनों और बुनियादी सुविधाओं का निरंतर अभाव स्पष्ट करता है कि स्वास्थ्य पर कभी पर्याप्त खर्च नहीं हुआ. स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आयुष्मान भारत के स्वतंत्र मूल्यांकन में भी स्पष्ट है कि धन आवंटन में देरी, कर्मचारियों की कमी जैसी समस्याएं बनी हुई हैं. बिहार के 31 प्रतिशत स्वास्थ्य केंद्रों पर न पानी की सुविधा है और न ही बिजली की. ऐसे में अनेक तरह के दुष्परिणाम लाजिमी हैं. गरीब तबके में नवजात मृत्युदर तीन गुना ज्यादा है. असमानता की यह मार मासूमों पर सबसे अधिक है. गरीब परिवारों का जीवनकाल शीर्ष 20 प्रतिशत समृद्ध परिवारों के मुकाबले औसतन 7.6 साल तक छोटा होता है. आंकड़े बताते हैं कि इलाज पर होनेवाला आधे से अधिक खर्च जेब से होता है. अगर पीएचसी में सुधार हो, तो इस खर्च से राहत मिल सकती है. इलाज पर भारी-भरकम खर्च परिवारों को गरीबी की दलदल में धकेल देता है. देशभर में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, एक समान व्यवस्था और जवाबदेही के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नियामक और विकास ढांचा आवश्यक है. साथ ही सार्वजनिक-निजी भागीदारी भी अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने का जरिया बन सकती है. जेनरिक दवाओं और जनऔषधि केंद्रों को बढ़ाने जैसे उपाय भी करने होंगे, तभी आमजन तक सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच पायेंगी.

एक दोस्त को किस्तों में दे दिए 2 करोड़, अब लौटाने के समय कह रहा है दोस्ती में क्या पैसा...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एक करोड़पति शख्स ने अपने एक दोस्त को किस्तों में करीब दो करोड़ रुपये उधार दे दिए. इतनी मोटी रकम देने के बाद कुछ सालो बाद शख्स अपने पैसे वापिस मांगने लगा। तो दोस्त ने कहा दोस्ती यारी में पैसा कौन देखता है और दोस्त ने इसे लौटाने से साफ़ मना कर दिया पैसे मांगते-मांगते दोस्त ने 10 साल तक टाला। इसे लेकर दोनों में तकरार भी हो गई लेकिन रकम बड़ी होने के कारण आदमी ने मामला कोर्ट तक पंहुचा दिया, जहां अब जज ने फैसला सुनाया है. कोर्ट ने दोस्त को शख्स के पैसे लौटाने का आदेश दिया है.

मामला न्यूजीलैंड का है, जहां करोड़पति जॉन रांकिन कोर्टफोर्थ ने सफाईकर्मी साइमन डेनियर को 2012 से 2014 के बीच किश्तों में 200,000 पाउंड (1 करोड़ 90 लाख रुपये) दिए थे. 62 साल के जॉन के मुताबिक, उन्होंने साइमन को लोन चुकाने और तलाक केस में आर्थिक मदद के लिए पैसे उधार दिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, साइमन पहले काफी अमीर था। उसके पिता मेयर रह चुके थे। लेकिन 2012 में पत्नी से तलाक के केस के चलते उसे तगड़ा आर्थिक नुकसान हुआ. बाद में उसे सफाईकर्मी की जॉब करनी पड़ी. 2012 से 2014 के बीच ही उसने जॉन से पैसे लिए थे. न्यू ईयर पार्टी में मिलने के बाद जॉन और साइमन दोस्त बन गए थे. उनकी दोस्ती कई साल पुरानी थी. दोनों साथ ड्रिंक पार्टी करते थे. एक दिन साइमन ने बताया कि उसका अपनी पत्नी से तलाक का केस चल रहा है, जिसके लिए उसे पैसे चाहिए. ये सुनकर जॉन ने उसे 72 लाख रुपये दे दिए. इसके बाद घर का लोन चुकाने के लिए भी जॉन ने 1 करोड़ 18 लाख रुपये साइमन को दिए.

जॉन ने ये पैसे उधार समझकर दिए थे, लेकिन साइमन ने रकम लौटाने से इनकार कर दिया. काफी समय बीत जाने के बाद जॉन ने पैसे वापस लेने के लिए साइमन के खिलाफ कोर्ट में केस कर दिया. हाल ही में कोर्ट ने इस मामले में जॉन के पक्ष में फैसला सुनाया और साइमन को पूरी रकम लौटाने का आदेश दिया. 1 करोड़ 90 लाख रुपये लौटने का आदेश फैसला सुनाते हुए जज ने कहा कि जॉन ने पैसे उधार दिए थे, ना कि गिफ्ट में. इसलिए साइमन को 1 करोड़ 90 लाख रुपये लौटने होंगे.

देहरादून शहर में मेट्रो नियो परियोजना मुद्दे पर दिल्ली पहुंचे मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शहरी विकास मंत्री उत्तराखंड सरकार डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पूरी से मुलाकात की। इस मौके पर देहरादून शहर में मेट्रो नियो परियोजना की डीपीआर को स्वीकृति तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लिए धनराशि और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत डीपीआर लागत का केंद्रांश धनराशि अवमुक्त करने की मांग की।गुरूवार को नई दिल्ली स्थित आवास में हुई मुलाकात में डा. अग्रवाल ने राज्य में शहरी विकास के अंतर्गत चल रही योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही केंद्र सरकार के कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड में चल रहे विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।इस मौके पर मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री को मांग पत्र भी सौंपा। उन्होंन मांग पत्र के जरिए बताया कि देहरादून शहर में मेट्रो नियो परियोजना के 02 एलिवेटेड कॉरिडोर्स जिनकी लंबाई 22.424 किमी और 25 स्टेशन प्रस्तावित हैं।

बताया कि इसे पूर्ण करने की अनुमानित अवधि 2025 तथा 1852.74 करोड़ आंकलित है। उन्होंने मांग पत्र सौंपते हुए परियोजना की डीपीआर को स्वीकृति दिलाने का अनुरोध किया।इस मौके पर मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने एक अन्य मांग पत्र केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को सौंपा। बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना सबके लिए आवास (शहरी) के लाभार्थी आधारित निर्माण घटक में 53वीं सीएसएमसी में स्वीकृत 956 नए आवास तथा 216 आवासों की वृद्धि के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की प्रथम किस्त की धनराशि सहित दो अन्य परियोजनाओं की धनराशि निर्गत कराने की मांग की।मांग पत्र के जरिए डा. अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री से स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत 02 निकायों चौखुटिया एवं शिवालिक नगर की ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की डीपीआर के सापेक्ष केंद्रांश धनराशि अवमुक्त करने का अनुरोध किया। इसी तरह 11 नव गठित निकायों के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की डीपीआर में कूड़े का एकत्रीकरण एवं परिवहन हेतु वाहनों व उपकरणों का प्रावधान स्वीकृत करने की मांग की।इस मौके पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शहरी विकास मंत्री उत्तराखंड सरकार को इस दिशा में सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिया।

एसबीआई दे रहा है ग्राहकों को शानदार तोहफा, 35 लाख रुपये का फायदा, जानिए कैसे

संजय की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वैसे तो एसबीआई अपने लंच टाइम, सर्वर डाउन के लिए ज्यादा मशहूर रहता है। परन्तु इस बार एसबीआई ने गज़ब ही कर दिया। अगर आप एसबीआई के ग्राहक हैं तो आपके लिए खुशखबरी है. एसबीआई ने ग्राहकों को शानदार तोहफा दिया है.

बैंक ने रियल टाइम एक्सप्रेस क्रेडिट (Real Time Xpress Credit) नाम की इस सुविधा शुरू की है. इस नई सेवा के तहत ग्राहकों को घर बैठे आसानी से लोन मिल जाएगा. इसे एसबीआई के योनो ऐप (YONO App) पर शुरू किया गया है. रियल टाइम एक्सप्रेस क्रेडिट (Real Time Xpress Credit) नाम की इस सुविधा से ग्राहक 35 लाख रुपये तक का पर्सनल लोन ले सकेंगे. आइए जानते हैं इस खास सुविधा के बारे में.

ध्यान देने योग्य है कि एसबीआई की इस सुविधा के तहत आप 35 लाख तक का लोन ले सकेंगे. इसके सारी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और क्रेडिट जांच, लोन के लिए पात्रता, ऋण मंजूरी और दस्तावेज जमा कराने जैसे सारे काम भी ऑनलाइन ही होंगे. आपको बता दें कि एसबीआई की इस खास सुविधा 'रियल टाइम एक्सप्रेस क्रेडिट' का फायदा सभी ग्राहक नहीं उठा सकेंगे. इसका लाभ केवल केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारी और रक्षा सेवाओं में कार्यरत ग्राहकों को ही मिलेगा,ऐसे में अगर आप भी सरकारी कर्मचारी हैं तो अब आप आसानी से लोन ले सकेंगे. इस खास सुविधा योनो ऐप पर मिलेगी और इसकी मदद से क्रेडिट चेक, योग्यता और अन्य डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन जैसे काम भी घर बैठे कर सकेंगे.

एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने इस पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया, 'एसबीआई बैंकिंग को आसान बनाने के लिए ग्राहकों को पूरी तरह से डिजिटल बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास कर रहा है. योनो पर अपने योग्य वेतन भोगी ग्राहकों के लिए रियल टाइम एक्सप्रेस क्रेडिट लोन सुविधा शुरू होने का ग्राहकों को बहुत फायदा होगा. एक्सप्रेस क्रेडिट उत्पाद ग्राहकों को डिजिटल तरीके से बिना किसी झंझट के लोन लेने में सहायता करेगा.'

दो साल बाद बोल बम के जयकारों से गूंजी देवभूमि, नीलकंठ धाम पहुंचे 30 हजार शिव भक्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

श्रावण मास की कांवड़ यात्रा गुरुवार से शुरू हो गई। दो वर्ष बाद बिना किसी पाबंदी के शुरू हुई कांवड़ यात्रा के पहले ही दिन हरकी पैड़ी समेत गंगा के प्रमुख घाट बोल बम के जयकारों से गूंज उठे।

पहले ही दिन लाखों कांवड़िए गंगाजल भरकर अपने प्रदेशों के लिए रवाना हुए। यात्रा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के साथ अन्य इंतजाम पुख्ता किए थे और किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं हुई। पुलिस के अनुसार पहले दिन चार लाख कांवड़ियों ने गंगाजल भरकर वापसी की है।

26 जुलाई तक चलने वाली कांवड़ यात्रा में इस बार करीब चार करोड़ शिवभक्तों के आने की संभावना जताई जा रही है। शासन और प्रशासन ने इसी आधार पर व्यवस्थाएं की हैं। बाहरी प्रदेशों से कांवड़ियों का यहां पहुंचना दो-तीन दिन पहले शुरू हो गया था।

गुरुवार को भी बड़ी संख्या में कांवड़िए बसों और ट्रेनों से यहां पहुंचे। यात्रा के शुरुआती दौर में अभी राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली एनसीआर और उत्तर प्रदेश के कांवड़िए ही गंगाजल लेने आ रहे हैं। गुरुवार को शिवभक्तों ने हरकी पैड़ी और आसपास के

घाटों पर स्नान करके नए कपड़े पहने। इसके बाद कांवड़ की पूजा करके बोल बम के नारों के साथ अपने प्रदेशों के लिए रवाना हुए।

चारधाम यात्रा धीमी पड़ने के बाद अब कांवड़ यात्रा से शहर के सभी प्रमुख बाजार और सड़कें शिवभक्तों से गुलजार हो गई हैं। हरकी पैड़ी और आसपास के बाजारों में कांवड़ियों ने खूब खरीदारी की। सुबह से शाम तक बाजारों में चहल पहल बनी रही। हाईवे के साथ गंगनहर पटरी भी बोल बम के उद्घोष से गुंजायमान हो रही है।

वहीं, यात्रा के पहले दिन नीलकंठ मंदिर में करीब 30 हजार शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया। सुबह से लेकर शाम तक नीलकंठ धाम हर, हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठा। शिवलिंग में जलाभिषेक के लिए शिव भक्तों की लंबी कतारें लगी रही।

गुरुवार सुबह 4:30 बजे से नीलकंठ मंदिर में शिव भक्तों का जलाभिषेक का सिलसिला शुरू हुआ। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर ऊं नमः शिवाय मंत्रोच्चारण, घंटी और शंखनाद की ध्वनियों से गूंज उठा। तीर्थनगरी के गंगा घाट स्वर्गाश्रम, मुनि की रेती, लक्ष्मणझूला, तपोवन, त्रिवेणी घाट आदि स्थानों पर शिव भक्तों ने गंगा में स्नान किया। उसके बाद श्रद्धालु गंगाजली भरकर नीलकंठ धाम के लिए रवाना हुए।

इस दौरान नीलकंठ पैदल मार्ग और मोटर मार्ग पर कांवड़ियों का हुजूम उमड़ा। मोटर मार्ग और पैदल मार्ग हर, हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठा। नीलकंठ धाम के पुजारी शिवानंद गिरी ने बताया कि शाम 7 बजे से लेकर 8:30 बजे तक भगवान शिव का श्रृंगार और आरती होती है। उसके बाद फिर धाम में जलाभिषेक का सिलसिला चलेगा।

ये क्या ? 4 साल पहले मर चुके शिक्षक के तबादला प्रकरण में मंत्री ने जांच बैठाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- मृतक शिक्षक के तबादले पर शिक्षा मंत्री का सख्त रुख
- ममहानिदेशक विद्यालयी शिक्षा को दिये जांच के निर्देश कहा, समिति गठित कर तीन दिन के भीतर करें कार्रवाई

रूद्रप्रयाग जनपद में प्राथमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत मृतक शिक्षक का तबादला किये जाने पर सूबे के शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने सख्त रुख अपनाया है। डॉ0 रावत ने सोशल मीडिया एवं समाचार पत्रों की खबरों का संज्ञान लेते हुए महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा को मामले में समिति गठित कर तत्काल जांच के निर्देश दिये। विभागीय मंत्री ने इस प्रकरण को घोर लापरवाही मानते हुए संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश महानिदेशक शिक्षा को दिये हैं। शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि रुद्रप्रयाग जनपद में वार्षिक स्थानांतरण-2022-23 के तहत एक मृतक शिक्षक के तबादले का प्रकरण सामने आया है। जिसमें प्रथम दृष्टिया विभागीय अधिकारियों की अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही प्रतीत होती है। मामले की गंभीरता को देखते हुये महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा बंशीधर तिवारी को तत्काल विभागीय समिति गठित कर तीन दिन के भीतर जांच करने कराने के साथ ही लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि मृतक शिक्षक की मौत के चार साल बाद तबादला किया जाना जिम्मेदार अधिकारियों की भारी लापरवाही को दर्शाता है। जो कि बर्दाश्त किये जाने योग्य नहीं है। डॉ0 रावत ने कहा इस प्रकरण की गंभीरता से जांच की जाएगी और जांच में जो भी दोषी पाये जायेंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। विभागीय मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि स्थानांतरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

99 नए संक्रमित मिले, दो मरीजों की मौत, शुक्रवार से निशुल्क लगेगी कोविड टीके की एहतियाती डोज

उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण रफ्तार पकड़ रहा है। बीते 24 घंटे के भीतर प्रदेश में 99 नए संक्रमित मिले हैं। जबकि 23 मरीज ठीक हुए हैं। कोविड सैंपल जांच के आधार पर संक्रमण दर का ग्राफ बढ़ रहा है। 456 सक्रिय मरीजों का इलाज चल रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक गुरुवार को 1501 सैंपलों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। वहीं, देहरादून जिले में सबसे ज्यादा 62, हरिद्वार में 11, नैनीताल में 13, पौड़ी में एक, पिथौरागढ़ में चार, टिहरी और अल्मोड़ा में तीन-तीन व चमोली में दो संक्रमित मरीज मिले हैं। प्रदेश की रिकवरी दर 95.66 प्रतिशत और संक्रमण दर 6.19 प्रतिशत दर्ज की गई। प्रदेश में कोविड वैक्सीन की दूसरी डोज लगा चुके 18 से 59 साल के लोगों को आज से निशुल्क एहतियाती डोज लगवाई जाएगी। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा